विश्व नारियल दिवस 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

विश्व नारियल दिवस (World Coconut Day- WCD) प्रतिवर्ष 2 सितंबर को मनाया जाता है, जो हमारे जीवन में नारियल के महत्त्व पर ज़ोर देता है तथा सतत् कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देता है

- यह दिन नारियल के **विभिन्न उपयोगों** के बारे में जागरूकता बढ़ाने और **उनके वैश्विक उपभोग** को प्रोत्साहित करने के लिये समर्पित है।
- **विश्व नारियल दिवस 2024 की थीम है: "कोकोनट फॉर ए सर्कुलर इकोनॉमी: बिल्डिंग पार्टनरशिप फॉर मैक्सिमम वैल्यू"।**
- विश्व नारियल दिवस पहली बार वर्ष 2009 में मनाया गया था, जिसकी स्थापना अंतर्राष्ट्रीय नारियल समुदाय, एक**एशिया एवं प्रशांत के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक व सामाजिक आयोग (United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific – UNESCAP)** अंतर-सरकारी संगठन द्वारा की गई थी।
    - 21 नारियल उत्पादक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली **इंटरनेशनल कोकोनट कम्युनिटी (International Coconut Community- ICC) ने वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के उपलक्ष्य में 2 सितंबर को विश्व नारियल दिवस** के रूप में मनाने की शुरुआत की। **भारत इसका संस्थापक सदस्य** है।
    - ICC का सचिवालय **जकार्ता, इंडोनेशिया** में स्थित है।
    - **ICC को वर्ष 2018 तक एशियाई और प्रशांत नारियल समुदाय के रूप में जाना जाता था।**
- **नारियल के लाभ:** नारियल हृदय-संवहनी स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, लाल रक्त कोशिका उत्पादन में सहायता और मधुमेह का प्रबंधन करता है तथा एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करता है।
- अपने समृद्ध पोषक तत्त्वों के कारण वे त्वचा के स्वास्थ्य, पाचन, जलयोजन और समग्र कल्याण में सहायता करते हैं।
- **भारत का नारियल विकास बोर्ड (CDB):** कृषि मंत्रालय के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है, जिसका **उद्देश्य बेहतर उत्पादकता और उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से नारियल की खेती** तथा उद्योग को बढ़ावा देना है।
    - **भारत में शीर्ष नारियल उत्पादक राज्य केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु हैं।**
    - **भारत में कुल नारियल उत्पादन 20,535.88 मिलियन टन (2022-23) है।**

अधिक पढ़ें: CPCRI ने नारियल और कोको की खेती के लिये पेश की नई

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-coconut-day-2024